VOLUME -4 ISSUE -135 DATE -24/05/2019

RESTRICTED CIRCULATION

CRPF e-Newsletter

Service & Loyalty

BLOOD DONATION CAMPS IN JHARKHAND

सरोकार

प्रभात खबर

रांची, शुक्रवार 15.05.2019 | 04

राजधानी के ब्लड बैंकों में खून की कमी, लोग भी जागरूक नहीं

खून चाहिए, तो दान करना पड़ेगा

2500 यूनिट रक्तदान करते हैं हर साल सीआरपीएफ के जवान

रक्तदान करने में सीआरपीएफ के जवानों की संख्या सबसे ज्यादा है. साल में तीन से चार बार रक्तदान शिविर आयोजित कर सीआरपीएफ के जवान करीब 2500 यूनिट रक्तदान करते हैं. वहीं झारखंड पुलिस अनुसार के जवान भी रक्तदान करने में पीछे नहीं हैं. एक साल में वह भी शिविर के माध्यम से 700 से 800 यूनिट तक खून का दान करते हैं.

इंसान की रगों में दौड़नेवाले खून को किसी लैब में तैयार नहीं किया जा सकता है. अगर किसी व्यक्ति को अस्पताल में खून जरूरत होती है, तो उसकी पूर्ति कोई दूसरा व्यक्ति रक्त देकर ही कर सकता है. सरकार में अंदाजे हैं बातों हैं कि झारखंड को हर साल तीन लाख 50 हजार यूनिट खून की जरूरत पड़ती है, लेकिन हम इस लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं. राजधानी रांची में राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स के अलावा कई बड़े निजी अस्पताल भी हैं, जहां पूरे राज्य से इलाज के लिए मरीज पहुंचते हैं. ऐसे में यहां खून की खपत ज्यादा होना लाजिमी है, लेकिन जरूरत के हिसाब से यहां खून उपलब्ध नहीं हो पाता है. कई बार, तो ब्लड बैंक में कुछ ब्लड ग्रुप का यूनिट शून्य तक पहुंच जाता है. खून के लिए लोग दर-दर भटकते हैं. जाहिर है कि राज्य के लोगों में रक्तदान को लेकर जागरूकता का अभाव है. इस समस्या का मात्र एक ही समाधान है, खून चाहिए, तो दान करना पड़ेगा...

3,50,000 यूनिट रक्त की जरूरत है जनसंख्या के हिसाब से झारखंड में हर साल

1,90,000 यूनिट खून ही जमा हो पाया था वर्ष 2017-18 में आंकड़ों के मुताबिक

2,24,000 यूनिट रक्त एकत्र हुआ वर्ष 2018-19 में. पिछले साल से 3.4 हजार यूनिट ज्यादा

झारखंड में खून की जितनी डिमांड है, उसके अनुसार उपलब्धता काफी कम

अस्पतालों को लगाना है रक्तदान शिविर, लेकिन रिकॉर्ड का नहीं करते पालन

कई बार निजी अस्पतालों को आदेश पत्र भी जारी कर चुके हैं सिविल सर्जन

अन्य जिलों के मुताबिक रांची के अस्पतालों पर दबाव ज्यादा

राजीव पांडेय ▶ रांची

झारखंड में खून की जितनी डिमांड है, उसके अनुसार उपलब्धता काफी कम है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के अनुसार किसी राज्य को कितनी जरूरत होती है, उसका एक फीसदी खून की जरूरत राज्य में पड़ती है. जनसंख्या के हिसाब से झारखंड में हर साल 3,50,000 यूनिट खून की जरूरत है. सरकारी आंकड़ों की मानें, तो वर्ष 2017-18 में 1,90,000 यूनिट खून ही जमा हो पाया था. वर्ष 2018-19 में इसमें 34 हजार यूनिट की बढ़ोतरी हुई और यह आंकड़ा 2,24,000 यूनिट तक पहुंच चुका है. हालांकि, सिविल सर्जन सीपीआर कुमार ने, राज्य के कई रेफरल में, जहां ब्लड बैंक नहीं है, इस कारण जहां रक्तदान नहीं होता है. ऐसे में मरीजों को जब खून की जरूरत पड़ती है, तो उन्हीं जिलों का रिफर करना पड़ता है, जहां ब्लड बैंक की सुविधा है.

...इसलिए है खून का संकट

राज्य में खून की कमी को देखते हुए सरकार ने आदेश जारी किया था. निजी अस्पताल अपने यहां कैंपों की खून जुटाए के लिए इधर-उधर नहीं दौड़ेंगे, बल्कि वे अपने घर पर रक्तदान शिविर आयोजित कर खून का स्टॉक बढ़ाएंगे. लेकिन अस्पताल कर खून का स्टॉक बढ़ाने, अपने अस्पताल में ब्लड बैंक नहीं है, तो बाहर के किसी ब्लड बैंक से अनुबंध कर खून उपलब्ध कराएं और आवश्यकतानुसार मरीज को खून उपलब्ध कराएं, लेकिन, सरकार के इस आदेश का यहां बेरोक से पालन नहीं हो पाता है. कुछ अस्पतालों ने ब्लड टॉनिक कैंप आयोजित कर खानापूर्ति की, लेकिन कई अस्पतालों ने अभी तक एक भी रक्तदान शिविर नहीं आयोजित किया. इसे देखते हुए रांची सिविल के सिविल सर्जन ने कई बार निजी अस्पतालों को आदेश पत्र जारी किया. आदेश पत्र में यह भी निर्देश दिया गया है कि निजी अस्पताल अपने स्तर से अलग-अलग किसी अस्पताल, रक्तदान शिविर और उनकी एलिजिट खून के आंकड़े सीविल सर्जन कार्यालय को दें, लेकिन, निजी अस्पतालों पर कोई असर नहीं पड़ रहा है.

रक्तदान करने वाले राज्यवासियों को खून में कर दिया जाए विशेष अवसर - राज्य के स्वास्थ्य, शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सरकारी कर्मचारियों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने का निर्णय लिया है. 18 सितंबर 2018 को राज्य सरकार ने यह फैसला लिया है कि कर्मचारियों के लिए रक्तदान करनेवाले लोगों को खून में कर दिया जाएगा. सरकार द्वारा दिया जाएगा. मुख्यमंत्री रघुवर दास की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी.

झारखण्डवासी

सीआरपीएफ द्वारा अफसर कैंप लगाया जाता है, जिसमें जवान रक्तदान करते हैं.

पड़ोसवाली

रिम्स के ब्लड बैंक पर काफी लोड. यहां हमेशा खून लेनेवालों की भीड़ दिखती है.

जरूरत

रिम्स के ब्लड बैंक में जरूरतमंद लोग रक्तदान कर बदले में खून लेते हैं.

आनंद पसारी के जज्बे को सलाम, 119 बार कर चुके हैं रक्तदान

रांची के रहनेवाले श्री आनंद पसारी रक्तदाताओं के किंग कहते हैं. आनंद पसारीने रक्तदान का यह सफर 1980 में शुरू किया था. उन्होंने बताया कि उन्होंने रक्तदान की शुरुआत अपने सीनियर भाई के कहने पर की थी. उन्होंने बताया कि उन्होंने 119 बार रक्तदान किया है. पैसा लेकर रक्तदान नहीं करते हैं, और जरूरतमंद को देते हैं. उन्होंने बताया कि उन्हें पहले इस प्रकार की बीमारी नहीं थी, लेकिन इसके बाद उन्होंने 119 बार रक्तदान कर चुके हैं. उन्होंने बताया कि 119 यूनिट खून का इस्तेमाल मरीजों को जरूरतमंदों में किया गया. आनंद ने बताया कि उन्होंने कभी भी किसी व्यक्ति से खून नहीं लिया है. उन्होंने बताया कि उन्होंने 119 बार रक्तदान किया है और इसके साथ उन्होंने लोगों को जागरूक भी करते हैं. उन्होंने बताया है कि हमारी से 10 परिवारों लोग भी रक्तदान करने पहुंच गये, जो रक्तदाता बनेंगे.

रक्तदान में राज्य के पुरुष आगे, रांची में महिलाएं

राज्य के पुरुष रक्तदाताओं की संख्या ज्यादा है. वर्ष 2018-19 में विभिन्न संस्थाओं से 1,73,696 यूनिट खून एकत्र किया गया. इनमें 72,129 पुरुष रक्तदान शामिल थे, वहीं महिला रक्तदाताओं की संख्या 3,267 थी यानी, इसमें रांची में महिलाएं रक्तदान में पुरुषों से आगे हैं. वर्ष 2018-19 में रांची में आयोजित शिविरों में 5400 महिलाओं ने रक्तदान किया.

संत जेवियर व सीआइटी के विद्यार्थी रक्तदान में आगे

राज्यभर में कुछ शिक्षण संस्थान भी रक्तदान करने में आगे हैं. इस श्रेणियां इंजीनियरिंग कॉलेज और डेंटल कॉलेज शामिल हैं. वहीं, इस संस्थानों में शामिल हैं. सीआइटी मेसरा के विद्यार्थियों ने 350 से ज्यादा यूनिट रक्तदान करने में, वहीं, संत जेवियर कॉलेज के विद्यार्थी साल में 850 से ज्यादा यूनिट रक्तदान करते हैं. वहीं, शहर के अन्य शिक्षण संस्थान इस मामले में काफी पीछे हैं.

रिम्स ब्लड बैंक ने एक साल में एकत्र किया 28,304 यूनिट

राज्य में तीन बैंकिंग प्रणालियां हैं, जहां आम जैसे यूनिट हैं. राज्य का सबसे बड़ा ब्लड बैंक रिम्स में वर्ष 2018-19 में 28,304 यूनिट खून एकत्र किया गया. दूसरी पुष्ट बैंकिंग प्रणालियां में 10,221 यूनिट खून एकत्र हुआ. वहीं, राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 5500 यूनिट खून एकत्र किया गया.

क्या कहते हैं आयोजक

रक्तदान का सबसे लोग यह कहते पाए गए हैं. लेकिन लोग लगातार रक्तदान किया के बाद का रक्तदान करने से डरते हैं. लगातार का भय और लोगों को विशेष तरह लाना लेकिन करते हैं. लगातार रक्तदान पर पड़-लिखे लोगों की संख्या बढ़ने से रक्तदान आसान होता है. लेकिन अन्य को समझाने में बहुत कठिनाई होती है. रक्तदान करने वाले को पहले सारा सच होता है. उसे हाई-बीपी जैसी कोई समस्या नि सुगम हो जाती है. अस्पतालों को रक्तदान करना चाहिए. जिससे उनको अस्पताल में भर्ती लोगों को खून के लिए परेशान नहीं पड़े.

अजुन गोप, रक्तदाता, रांची

शिक्षित लोग अपने आप रक्तदान के लिए आगे आ रहे हैं. कुछ संस्था व ब्लड लोग जरूरतमंद व्यक्ति तक खून पहुंचाने का रक्तदान शिविर आयोजित कर खून एकत्र कर रही है. खून उपलब्ध कराने में लोग लगातार रक्तदान करते हैं. रक्तदान करने से कोई कमजोरी नहीं किया है. रक्तदाता को अपने स्वास्थ्य की जांच करानी है. लोग को जागरूक करने के लिए रक्तदान शिविर आयोजित कर रही है.

नीलेश रंजन कार्ती, सीआईटी मेसरा रक्तदाता

राजधानी में तीन संगठन जो आयोजित करते हैं कैंप

राजधानी में तीन संगठन रक्तदान शिविर आयोजित करने में सुख पहिचान किया है. लायन्स क्लब, झारखंड वीमेंस मेडिकल एसोसिएशन और सीआईटी मेसरा जैसे संस्थान रांचीवासी के सहयोग रक्तदान शिविर आयोजित कर रही हैं. इसकी अलावा कुछ सामाजिक संगठनों जमशेदपुर सीए-सीए में रक्तदान शिविर आयोजित कर रही रहते हैं.

जमशेदपुर से पूरे राज्य को सीखने की जरूरत

रक्तदान के मामले में जमशेदपुर राज्य के अन्य जिलों और प्रमुख शहरों के लिए आदर्श इकाई बन गए हैं. टीएमएच, सेंट्रल मेडिकल सर्विसेज ऑफ जमशेदपुर इकाई पूरे राज्य में जाकर जाकर खून एकत्र रक्तदान करा चुकी है. टाटा मोटर्स की अपने कर्मचारियों को रक्तदान करने के लिए मोटिवेट प्रोत्साहित करते हैं.

जमशेदपुर में 39,401 रक्तदाताओं ने दिया खून

जमशेदपुर ब्लड बैंक में वर्ष 2018-19 में 53,916 यूनिट खून एकत्र हुआ. जिसमें से 39,401 यूनिट खून अलग-अलग कैंप के माध्यम किया गया. खून रक्तदाताओं में 38,444 पुरुष और 957 महिलाएं शामिल हैं. जमशेदपुर कैंप का यह पहला ब्लड बैंक है. यहां कई बार लायन्स रक्तदान शिविर आयोजित कर रक्त एकत्र किया जाता है.

वर्ष 2018-19 के सरकारी आंकड़ों के अनुसार

रांची		
ब्लड बैंक	पुरुष रक्तदाता	महिला रक्तदाता
प्राईवेट ब्लड बैंक	पुरुष	पुरुष
सिटी ब्लड बैंक	पुरुष	पुरुष
अन्नपूर्णा ब्लड सेंटर ब्लड बैंक	364	42
स्टार्क हॉस्पिटल ब्लड बैंक	264	7
सेंट्रलिक	17	3
सेंट्रल ब्लड रांची रिजन	पुरुष	पुरुष
सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल ब्लड बैंक	571	33
एचएमसी ब्लड बैंक	10	पुरुष
रेडियंस रांची	2089	2189
रिम्स ब्लड बैंक	19030	4372
बोकारो		
बोकारो ब्लड बैंक	427	43
रेडियंस ब्लड बैंक	2049	93
सेंट्रल ब्लड रांची रिजन	पुरुष	पुरुष
गिरिडीह		
स्टार्क हॉस्पिटल ब्लड बैंक	1143	43
धनबाद		
जयपुर ब्लड बैंक	877	93
सिटी ब्लड बैंक ब्लड बैंक	3086	340
दुमका		
स्टार्क हॉस्पिटल ब्लड बैंक	412	23
गढ़वा		
स्टार्क हॉस्पिटल ब्लड बैंक	690	43
हजारीबाग		
स्टार्क हॉस्पिटल ब्लड बैंक	3186	186
खूंटी		
ब्लड बैंक-खूंटी	1046	64
कोडरमा		
सेंट्रलिक ब्लड बैंक	पुरुष	पुरुष
सेंट्रल मेडिकल ब्लड बैंक	पुरुष	पुरुष
स्टार्क हॉस्पिटल ब्लड बैंक	1148	34
कोडरमा		
कोडरमा ब्लड बैंक	288	26
लातेहार		
स्टार्क हॉस्पिटल ब्लड बैंक	370	27
पलामू		
स्टार्क हॉस्पिटल ब्लड बैंक	1136	110
स्टार्क हॉस्पिटल लातेहार	172	5
पश्चिमी सिंहभूम		
सिंहभूम मेडिकेशन ब्लड बैंक	पुरुष	पुरुष
स्टार्क हॉस्पिटल ब्लड बैंक	8048	833
पूर्वी सिंहभूम		
जमशेदपुर ब्लड बैंक	38,444	957
एचएमसी मेडिकल कॉलेज	1049	186
सरायकेला		
सरायकेला ब्लड बैंक	87	3
खरसावां		
सीएचसी ब्लड बैंक	969	114
सिमडेगा		
स्टार्क हॉस्पिटल सिमडेगा	330	60
सांसदी मेडिकल सेंटर	840	37

संवेदित सीएमओएस सारमहैं. एक रिम्स में भर्ती हैं. उन्होंने रक्तदान का कहा. पहली बार रक्तदान किया. खून देने के बाद कमजोर लगे नहीं हुआ. अब लगातार रक्तदान करूंगा.

शिवम पांडे, रांचीवासी

हम रक्तदान करते रहते हैं. इसलिए भय नहीं है. हमारी बीमार से कम संबंध होता है. इसलिए खून देने अकसर हैं. खून दान नहीं करते. तो खून अवश्य करते हैं.

सन्दीप सिंह, पुर्व

खून के लिए बहुत परेशानी हो रही है. खून से खून बनाने वाला है. लेकिन खून नहीं किया है. खून देने के बाद ठंडी लगने लगती. तब लगातार खून लिया.

महावीर

खून 10 बार से खून दान देते हैं. यह पहली दफा नहीं है. किसी ने कहा किया है. खून की जरूरत जरूरतमंद. लेकिन दान नहीं है खून के लिए सबसे दान जरूरी.

निर्मल उरांव

खून के लिए बहुत दिक्कत होती है. खून देने के बाद थोड़ा कमजोर है. खून देना चाहिए कोई परेशानी में खून देने के लिए कुछ नहीं है.

सलमान कुरैशी

CRPF officers and jawans donating blood across Jharkhand on 17th May 2019.